



Mr. Sandeep ji



Ms. Pratha sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119961401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
27-28/09/1993 :	जन्म तिथि	: 16/02/1999
सोम-मंगलवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 00:55:00 :	जन्म समय	: 17:40:00 घंटे
घटी 46:14:23 :	जन्म समय(घटी)	: 26:19:19 घटी
India :	देश	: India
Chawand :	स्थान	: Ajmer
24:11:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:29:00 उत्तर
73:48:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:25:14 :	सूर्योदय	: 07:07:14
18:25:01 :	सूर्यास्त	: 18:23:58
23:46:26 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:32
मिथुन :	लग्न	: कर्क
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
कुम्भ :	राशि	: कुम्भ
शनि :	राशि-स्वामी	: शनि
शतभिषा :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
राहु :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
1 :	चरण	: 4
शूल :	योग	: परिघ
कौलव :	करण	: किंस्तुघ्न
गो-गोपाल :	जन्म नामाक्षर	: गे-गैरी
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
अश्व :	योनि	: सिंह
राक्षस :	गण	: राक्षस
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
राहु 15वर्ष 8मा 29दि
शनि

27/06/2025

27/06/2044

शनि	30/06/2028
बुध	10/03/2031
केतु	18/04/2032
शुक्र	19/06/2035
सूर्य	31/05/2036
चन्द्र	30/12/2037
मंगल	08/02/2039
राहु	15/12/2041
गुरु	27/06/2044

अंश

26:36:12
10:55:24
08:20:07
06:42:30
01:40:13
26:49:54
13:48:22
00:36:59
11:18:26
11:18:26
24:27:15
24:36:14
29:48:08

राशि

मिथु
कन्या
कुंभ
तुला
तुला
कन्या
सिंह
कुंभ व
वृश्चि व
वृष व
धनु
धनु व
तुला

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

कर्क
कुंभ
कुंभ
तुला
कुंभ
मीन
कुंभ
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

अंश

24:44:43
03:31:26
06:26:49
13:35:27
13:14:11
06:55:07
29:32:17
05:01:57
28:19:08
28:19:08
19:45:17
08:56:45
16:28:10

विंशोत्तरी

मंगल 0वर्ष 1मा 11दि
गुरु

30/03/2017

30/03/2033

गुरु	18/05/2019
शनि	28/11/2021
बुध	05/03/2024
केतु	09/02/2025
शुक्र	11/10/2027
सूर्य	29/07/2028
चन्द्र	28/11/2029
मंगल	04/11/2030
राहु	30/03/2033

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

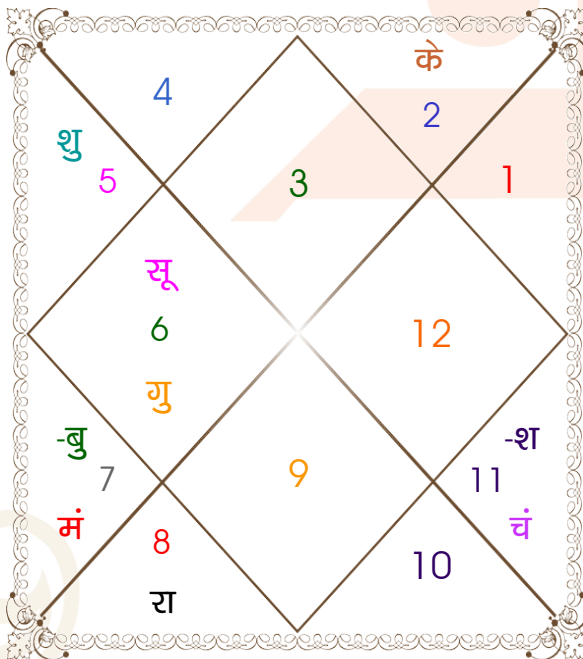
राहु : स्पष्ट

23:46:26

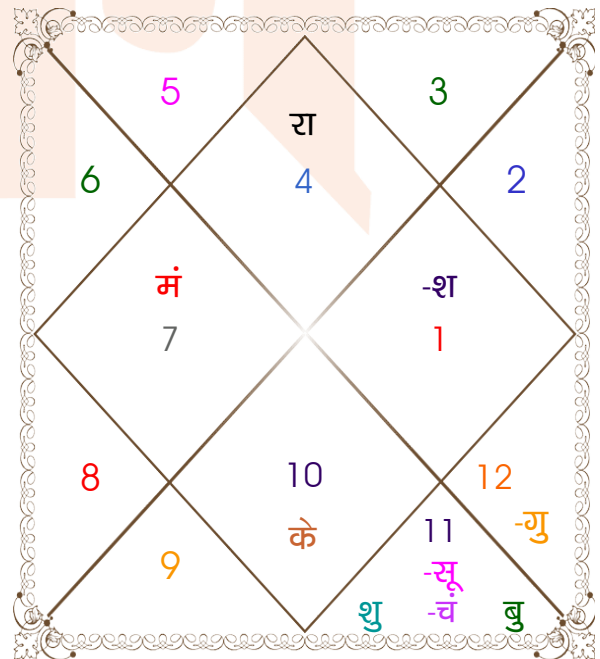
चित्रपक्षीय अयनांश

23:50:32

लग्न-चलित



लग्न-चलित



CHOUBISA BHUPESH

V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY) TH.SARADA

DIST.SALUMBAR PIN. 313902

7300488296

jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

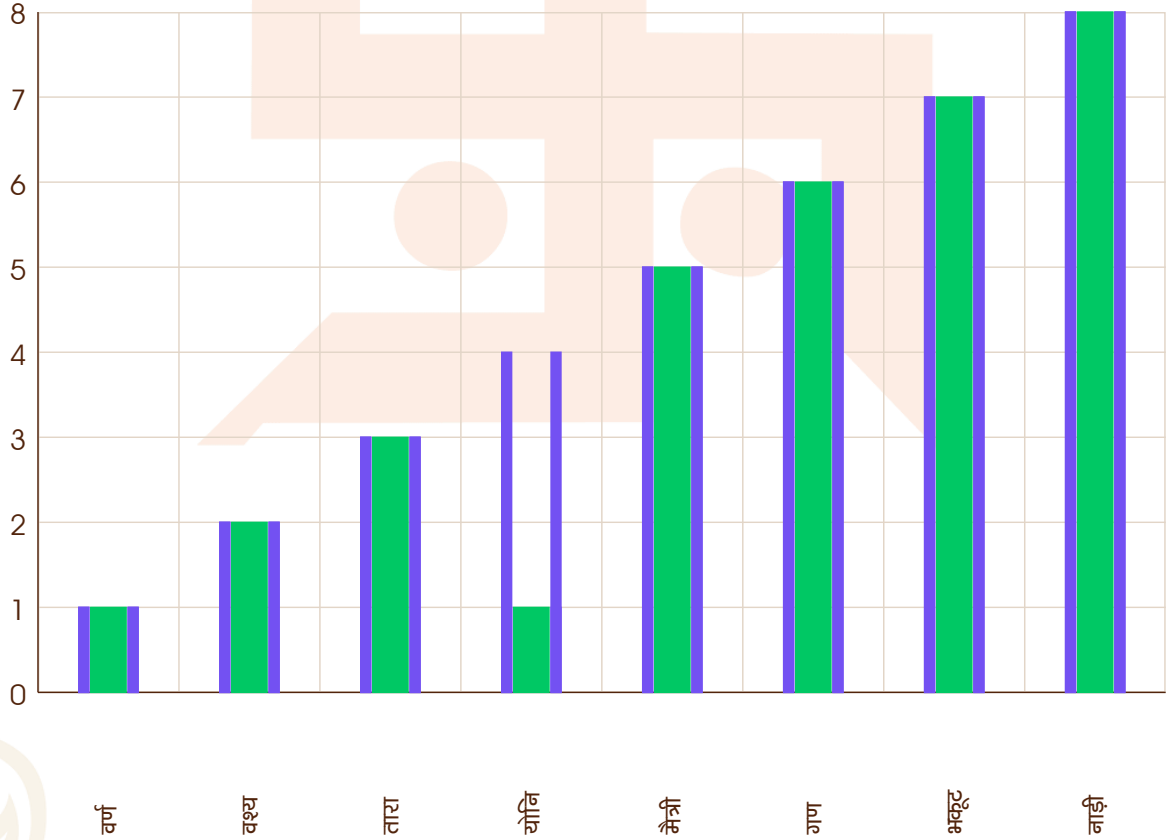
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

33.00

कुल : 33 / 36



CHOUBISA BHUPESH

V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY) TH.SARADA

DIST.SALUMBAR PIN. 313902

7300488296

jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट मिलान

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विद्यमान है।

Mr. Sandeep ji का वर्ग मार्जार है तथा Ms. Pratha sharma का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Sandeep ji मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. Pratha sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Sandeep ji की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Sandeep ji तथा Ms. Pratha sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Sandeep ji का वर्ण शूद्र है तथा Ms. Pratha sharma का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr. Sandeep ji का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms. Pratha sharma का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr. Sandeep ji की तारा सम्पत्त तथा Ms. Pratha sharma की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. Pratha sharma एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr. Sandeep ji की योनि अश्व है तथा Ms. Pratha sharma की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं क्लेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. Sandeep ji का गण राक्षस है तथा Ms. Pratha sharma का गण भी राक्षस है। अर्थात् Ms. Pratha sharma का गण Mr. Sandeep ji के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr. Sandeep ji एवं Ms. Pratha sharma तथा परिवार के चतुर्दिक् विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr. Sandeep ji की नाड़ी आद्य है तथा Ms. Pratha sharma की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma दोनों की वायुतत्व युक्त राशि कुम्भ है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताएं समान रूप से विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma की जन्म राशि का स्वामी शनि है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपसी संबंधों में पूर्ण अपनत्व का भाव होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण के भाव की प्रबलता होगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma सच्चे मित्रों की तरह जीवन यापन करेंगे तथा गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दोनों के मन में हार्दिक लगाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा सम्मान का भाव रहेगा साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूपेण स्वीकार करेंगे एवं परस्पर व्यक्तिगत कार्यों में कम ही हस्तक्षेप करेंगे फलतः आपस में विश्वसनीयता का भाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के लिए सौभाग्य शाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों का उपभोग करेंगे।

Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों एक आदर्श कार्यकर्ता होंगे तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

Mr. Sandeep ji की तारा सम्पत्त तथा Ms. Pratha sharma की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mr. Sandeep ji सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms. Pratha sharma के भाग्य से उनकी धन सम्पत्ति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना

रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms. Pratha sharma का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mr. Sandeep ji का जन्म आद्य तथा Ms. Pratha sharma का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Mr. Sandeep ji के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबंधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम किया संबंधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Mr. Sandeep ji को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Pratha sharma के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Pratha sharma को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Pratha sharma को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Sandeep ji और Ms. Pratha sharma का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Pratha sharma के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. Pratha sharma के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. Pratha sharma अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms. Pratha sharma के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. Sandeep ji के अपनी सास से सामान्य संबंध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mr. Sandeep ji अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mr. Sandeep ji का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mr. Sandeep ji का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्द्विता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mr. Sandeep ji तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mr. Sandeep ji के संबंध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।